यूपीईएस यूनिवर्सिटी के 22वें दीक्षा समारोह का आगाज

जजमेंट जब जस्टिस में बदल जाए तभी वह होता है न्याय : मेघवाल

DEHRADUN (22 Nov): यूपीईएस यूनिवर्सिटी में 22वें दीक्षा समारोह की शुरुआत हुई. समारोह के पहले दिन बतौर चीफ गेस्ट केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल मौजूद रहे. उन्होंने लॉ के स्टूडेंट्स से आह्वान किया कि यदि वह आगे करियर के दौरान न्यायिक सेवा में जाना चाहते हैं तो जजमेंट और जस्टिस के सच्चे मायने जानें. उन्होंने सेवानिवृत्त उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटाई और न्याय के संबोधन को नए सिरे से परिभाषित किया. बताया कि न्याय अंधा नहीं होता है. उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय परिसर में लगी न्याय की

देवी की आंखों से पट्टी हटाई, साथ ही हाथ में तलवार के बजाय भारत का संविधान थमाया.

राष्ट्रहित सर्वोपरि

अर्जुन राम मेघवाल ने करीब डेढ़ सौ वर्ष पहले प्रचलित जापान की एक कहानी सुनाई. जिसमें रंगे हाथों चोरी करने वाले को न्यायाधीश ने बरी कर दिया और जिनके घर वह चोरी करने गया था, उस मकान मालिक को दो वर्ष की सजा सुनाई. कहा कि जापान के तत्कालीन न्यायाधीश ने निर्णय में न्याय किया. चोर राष्ट्रगान की धुन सुनकर सावधान हो गया और मकान मालिक ने मौका देख उसे रस्सी से बांध दिया. न्यायाधीश ने चोर को देशभक्त मानकर बरी कर दिया. यह जजमेंट नहीं, बल्कि जस्टिस था. क्योंकि चोरी करने वाला देश के प्रति सम्मान का भाव रखता था. इसलिए, राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए. केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने यूपीईएस यूनिवर्सिटी के स्वर्ण पदक विजेता स्टूडेंट को सम्मानित किया. विवि के कुलपति डॉ. राम के शर्मा ने उन्हें सम्मानित किया. दीक्षा समारोह में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और उत्तराखंड के महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर भी मौजूद रहे.

पत्रांक- 113
सर्वसाधारण क
अन्तर्गत क्षतिग्र
आपूर्ति हेतु नि